महत्वपूर्ण एवं खास

प्रदेश में फिर करवट बदल सकता है मौसम, 9 से 13 जनवरी के बीच बारिश के आसार

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट बदल सकता है। मौसम विभाग की माने तो 9 से 13 जनवरी तक प्रदेश में बारिश के आसार है। मौसम विभाग के मुताबिक आज मौसम साफ रहेगा लेकिन गुरुवार से बादल छा सकते हैं। बारिश के बाद एक बार फिर ठंड बढ़ सकती है।

14.750 किलो गांजे के साथ 2 गांजा तस्कर गिरफ्तार

सुकमा (आरएनएस)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना तोंगपाल पुलिस ने अवैध रूप से प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा को आज सुबह ओड़िशा राज्य मलकानगिरी से जगदलपुर की ओर मोटर सायकल क्रमांक ओआर -30-3884 में परिवहन करते हुये 02 गांजा तस्कर (01) गुरूदास पिता स्व. रविदास निवासी कालीमेला मलकानगिरी ओड़िशा (02) कार्तिक जानी पिता स्व. बलराम जानी निवासी झाटीमाटी मलकानगिरी ओड़िशा को 14.750 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है।

ताड़मेटला-मुकरम मुठभेड़ की होगी दंडाधिकारी जांच

सुकमा (आरएनएस)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनीत नंदनवार द्वारा ताड़मेटला और मुकरम गांव के बीच जंगल में 26 नवंबर को हुए पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की दंडाधिकारी जांच के लिए कोण्टा अनुविभागीय दण्डाधिकारी बनसिंह नेताम को जिम्मेदारी दी गई है। कोंटा अनुविभागीय दण्डाधिकारी नेताम ने इस घटना की दण्डाधिकारी जांच के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जाएगी। इस घटना के संबंध में किसी भी प्रकार की लिखित या मौखिक जानकारी प्रस्तुत करना हो तो उनके न्यायालय में 17 जनवरी तक कार्यालयीन समय में स्वयं या डाक के द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।

तेज रफ्तार हाइवा ने बोलेरो को मारी ठोकर,एक की मौत 8 लोग घायल

बलरामपुर (आरएनएस)। कोरबा से बनारस दर्शन करने जा रहे एक दर्शनार्थियों से भरी बोलेरो का बलरामपुर जिले में बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां एक हाइवा ने बोलेरो को ठोकर मार दिया है। जिसके बाद बनारस दर्शन करने जा रही दर्शनार्थियों से भरी बोलेरो 35 फिट नीचे खाई में जा गिरी है। बोलेरो में चालक समेत कुल 9 लोग सवार थे। जिसमें से एक की मौत हो गई है और 8 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिसमें से एक कि हालत गंभीर है। बता दें कि पूरा मामला बलरामपुर जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र का है। यहां एक हाइवा ने बोलेरो को ठोकर मार दी है। जिसमें कोरबा सीतामणी से बनारस दर्शन करने गए एक परिवार के साथ हादसा हुआ है। ठोकर लगने के बाद दर्शनार्थियों से भरी बोलेरो 35 फिट नीचे खाई में जा गिरी। इस घटना में 10 वर्षीय मासूम डाली उर्फ अशी की मौत हो गई है। तो वहीं, चालक समेत 8 लोग घायल हुए हैं। जिसमें से एक कि हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़ितों का हाल जानने के लिए करीबी परिजन कोरबा पहुंच रहे हैं। बस्ती में शोक की लहर छा गई है।

किसानों को अब तक 96 करोड़ 37 लाख का ऋण वितरित

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन द्वारा रबी फसलों की खेती के लिए किसानों को रबी सीजन 2021-22 में 600 करोड़ रूपए के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को यह ऋण सहकारी समितियों के माध्यम से बिना ब्याज के प्रदाय किया जा रहा है। रबी सीजन के लिए सहकारी समितियों द्वारा किसानों को अब तक 96 करोड़ 37 लाख रूपए का ऋण वितरित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रीगणों को अपने प्रभार वाले जिलों में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने हर संभव उपाय करने को कहा

» जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं संगठनों के पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक लेकर करोना संक्रमण की स्थिति और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा के निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के सभी मंत्रीगणों से अपने-अपने प्रभार के जिलों में कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए हर संभव प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वर्तमान समय में पूरे विश्व एवं देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से वृद्धि चिन्ताजनक है। उन्होंने मंत्रीगणों को अपने प्रभार वाले जिलों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की अतिशीघ्र वर्चुअल बैठक लेकर कोरोना संक्रमण की अद्यतन स्थिति एवं रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य में कोरोना के प्रसार को नियंत्रित रखने हेतु उन्होंने मंत्रीगणों से अपने प्रभार वाले जिलों में कोरोना की वर्तमान स्थिति, मरीजों में देखे जा रहे लक्ष्यणों की तीव्रता, अस्पताल में भर्ती मरीज, होम आईसोलेशन में रहने वाले मरीज और उनके स्वस्थ होने की अवधि के बारे में जानकारी लेने को कहा है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर आवश्यक पाबंदियां लगाई जाने के संबंध में जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों, किसान मजदूर संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं के संचालकों सहित अधिक से अधिक लोगों से चर्चा करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रीगणों को कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं संक्रमितों के इलाज के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की भी समीक्षा के साथ-साथ कोरोना के फैलाव को रोकने के लिए लोगों को कोरोना गाईड लाईन का कड़ाई से पालन करने और सावधानियां बरतने की समझाईश देने को भी कहा है।

प्रदेश में मंगलवार को मिले 1059 कोरोना संक्रमित- छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कोरोना का संक्रमण बढ़ने लगा है। रोजाना राज्य के अलग-अलग जिलों से नए मरीजों की पुष्टि हो रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 1059 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई है। प्रदेश में कोरोना से तीन मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आकड़ों के मुताबिक नए मरीजों की पुष्टि के बाद प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 2977 हो गई है। मंगलवार को 35 हजार 705 लोगों की कोरोना जांच की गई, जिसमें 1059 पॉजिटिव मिले है। प्रदेश की पॉजिटिव दर 2.97 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

जिलेवार मरीजों की संख्या - रायपुर 343,बिलासपुर 159,रायगढ़ 141,दुर्ग 89,कोरबा 73,राजनांदगांव 44,सुकमा 46,जशपुर 32,जांजगीर 24,सूरजपुर 13,कोरिया 21,बीजापुर 19,मुंगेली 5,सरगुजा 12,कवर्धा 7,महासमुंद 7,धमतरी 5,कांकेर 2,पेंड्रा,गौरेला-मरवाही 4,बालोद 3,गरियाबंद 3,बलरामपुर 2,बस्तर 2,बलोदाबाजार 2,दंतेवाड़ा 1,बेमेतरा 0,नारायणपुर 0,कोंडागांव 0,अन्य 0

डॉक्टर के घर हुई चोरी, लाखों का माल पार

भिलाई (आरएनएस)। जिले में एक डॉक्टर के घर हुई चोरी लोगो में चर्चा का विषय बना हुआ है। चोर जब डॉक्टर के सूने मकान में घुसे और आलमारी खोली तो उन्हें रुपए के साथ-साथ आलमारी में रखे सोने-चांदी के बिस्किट भी साफ कर के ले गये। इसके साथ ही वहीं पर डेबिट कार्ड बैंक से भेजे गए लिफाफे में रखा मिल गया। इसके बाद चोरों ने एटीएम से भी रुपए निकाल लिए। रुपए निकाले जाने का मैसेज डॉक्टर के पास पहुंचा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने अपने पड़ोसी से तुरंत फोन पर जानकारी ली तो पता चला कि उसके घर में चोरी हो गई है। दरअसल, नंदिनी थाना के एसआई ने बताया कि जामुल मेनरोड बानबरद में डॉ. हेमंत देशमुख का घर है। 29 दिसंबर को वह परिवार सहित घर में ताला लगाकर हैदराबाद अपनी बेटी के घर गये थे। इस दौरान उन्होंने अपने पड़ोसी को घर को देखे रहने की जिम्मेदारी दी थी। 31 दिसंबर की सुबह 9 बजे डॉ. देशमुख के बेटे अनूप के मोबाइल पर एटीएम से पैसे निकालने का मैसेज आया। उन्होंने तुरंत अपने पड़ोसी अनिश देवांगन को फोन करके उनका घर देखने के लिए बोला। कुछ देर बाद पड़ोसी ने फोन कर बताया कि घर के सामने व पीछे का दरवाजा खुला हुआ है और अंदर का सामान बिखरा पड़ा है। इसके बाद डॉक्टर हैदराबाद से लौटा और नंदिनी थाने में मंगलवार को चोरी की शिकायत दर्ज कराई। नंदनी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधारा 380, 457 के तहत जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक डॉ. देशमुख के घर की आलमारी को तोड़ा गया है। उसके अंदर से 35 हजार रुपये नगद और 1-1 ग्राम वजनी सोने के 5 सिक्के और 10-10 ग्राम वजनी चांदी के 15 सिक्के सहित अन्य सामान चोरी गया है। इतना ही नहीं चोरों ने एटीएम भी 8 हजार रुपए निकाले हैं।

राशन दुकानों में घटिया चावल वितरण: दो क्वालिटी इंस्पेक्टर स्थानांतरित

कोरबा (आरएनएस)। शासकीय राशन दुकानों में अमानक चावल आबंटन के मामले में नॉन यानी नागरिक आपूर्ति निगम के कोरबा जिले में पदस्थ दो क्वालिटी इंसपेक्टर का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है।

आपको बता दें कि हाल ही में जिले के राशन दुकानों में घटिया चावल वितरण की शिकायत सामने आई थी। इसके बाद कलेक्टर मती रेणू साहू ने नान के गोदामों में चावल की जांच का आदेश दिया था। कोरबा और छुरी के गोदामों में 59 स्टेक की जांच की गई जिसमें 5 स्टेक का चावल अमानक श्रेणी का पाया गया था। शेष 54 स्टेक का चावल मानक श्रेणी का मिला।

इस आधिकारिक जानकारी के बाद सवाल पूछा गया था कि नान के गोदाम में अमानक श्रेणी का चावल आया कैसे? जबकि चावल जमा लेने से पहले नान के क्वालिटी इंस्पेक्टर चावल की गुणवत्ता की जांच करते हैं। यह प्रश्न भी खड़ा किया था कि पूर्व में जो चावल जमा करते समय मानक श्रेणी का था, वह अब अमानक कैसे हो गया। पूर्व में गलत रिपोर्ट दी गई थी या वर्तमान जांच में गलत रिपोर्ट दी गई है।

इस खबर पर रायपुर में त्वरित प्रतिक्रिया हुई और जिले के दो क्वालिटी इंस्पेक्टर का अन्यत्र तबादला कर दिया गया। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाता। इस मामले में और किन किन लोगों की जिम्मेदारी बनती है? खाद्य विभाग जिले में राशन वितरण की कैसी निगरानी करता है कि जन शिकायत के बाद उसे जिले में घटिया राशन वितरण की जानकारी होती है। मानक श्रेणी का बताए गए 54 स्टेक में से किसी स्टेक में भविष्य में घटिया चावल पाया जाता है तो उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा? परिवहन ठेकेदार जिम्मेदार होगा या राशन दुकानदार की बलि ली जाएगी? ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिनका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है। लेकिन अवसर आने पर ये सवाल भी जवाब मांगेंगे।

राज्य में अब तक 60.90 लाख मीटरिक टन से अधिक धान की खरीदी

» प्रदेश में 15.52 लाख किसानों ने बेचा धान : किसानों को भुगतान के लिए 11234.63 करोड़ रूपए जारी

रायपुर (आरएनएस)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के चालू सीजन में प्रदेश के 2484 धान उपार्जन केन्द्रों में आज शाम तक 15 लाख 52 हजार 372 किसानों से 60 लाख 90 हजार 073 मीटरिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री बघेल की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए धान का तेजी से उठाव भी किया जा रहा है। विपणन संघ द्वारा धान खरीदी के एवज में कृषकों को धान खरीदी के भुगतान के लिए 11 हजार 234 करोड़ 63 लाख रूपए की राशि जारी कर दी गई है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समर्थन मूल्य पर खरीदे गए 24 लाख 84 हजार 828 मीटरिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 19 लाख 98 हजार 233 मीटरिक धान का उठाव हो चुका है। इसी प्रकार अब तक 9 लाख 70 हजार मीट्रिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध समितियों से 4 लाख 98 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है। इस प्रकार डीओ एवं टीओ के माध्यम से अब तक 25 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। राजनांदगांव जिला, प्रदेश में समर्थन मूल्य पर 05 जनवरी तक धान खरीदी के मामले में पहले स्थान पर है। राजनांदगांव जिले में 5 लाख 46 हजार 261 मीटरिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। वहीं जांजगीर-चांपा जिला प्रदेश में धान खरीदी में दूसरे पायदान पर है। जिले में 5 लाख 37 हजार 837 मीटरिक टन धान की खरीदी हुई है। बलौदाबाजार जिला धान खरीदी में आज राज्य में तीसरे क्रम पर है। बलौदाबाजार जिला में 4 लाख 26 हजार 169 मीटरिक टन धान की खरीदी की गई है।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 05 जनवरी तक समर्थन मूल्य पर राज्य के बस्तर जिले में 98,884 मीटरिक टन, बीजापुर जिले में 39,884 मीटरिक टन, दंतेवाड़ा जिले में 8,077 मीटरिक टन, कांकेर जिले में 1,91,792 मीटरिक टन, कोण्डागांव जिले में 96,585 मीटरिक टन, नारायणपुर जिले में 14,611 मीटरिक टन, सुकमा जिले में 23,732 मीटरिक टन, बिलासपुर जिले में 3,23,526 मीटरिक टन, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 41,704 मीटरिक टन, जांजगीर-चांपा जिले में 5,37,837 मीटरिक टन, कोरबा जिले में 85,598 मीटरिक टन, मुंगेली जिले में 2,55,373 मीटरिक टन, रायगढ़ जिले में 3,40,697 मीटरिक टन, बालोद जिले में 3,49,578 मीटरिक टन धान की खरीदी की गई।

बोदली कैंप में 14 जवान, बीजापुर में 6 व भैरमगढ़ में 1 बच्ची, कोरोना पॉजिटिव मिले

बीजापुर (आरएनएस)। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के बोदली सीएएफ कैम्प में 14 जवान कोरोना संक्रमित पाये गए, वहीं बीजापुर ब्लॉक में 06 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। भैरमगढ़ में एक बच्ची भी पॉजिटिव पाई गई है।

सीएमएचओ आरके सिंह ने बताया कि मंगलवार को भैरमगढ़ ब्लाक में 143 टेस्ट किये गए, जिसमें 15 कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज पाए गए है। इसमें 14 बोदली सीएएफ कैम्प के जवान व 01 भैरमगढ़ नगर से बच्ची शामिल है। उन्होंने बताया कि बीजापुर ब्लाक में 16 टू नॉर्ट टेस्ट में 06 पॉजिटिव आये हैं। इनमें सीआरपीएफ 170 वीं बटालियन के 03 जवान व बीजापुर नगर से 03 मरीज संक्रमित मिले हैं।

सीएमएचओ आरके सिंह के मुताबिक सभी संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेशन में रखकर उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में रोजाना 460 टेस्ट का लक्ष्य निर्धारित है। मंगलवार को इसके विरुद्ध 489 टेस्ट किया गया है, जिसमें कोरोना की पॉजिटिविटी दर 03.88 फीसदी पाया गया है।

12 लाख 35 हजार हेक्टेयर में हो चुकी रबी फसलों की बोनी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न प्रकार की रबी फसलों की 12 लाख 35 हजार हेक्टेयर में बुआई हो चुकी है, जो कि इस साल रबी सीजन के लिए निर्धारित लक्ष्य का 67 प्रतिशत है। रबी बोनी के लिए इस साल 18 लाख 50 हजार हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। दलहनी फसलों में तिवड़ा की बुआई लक्ष्य से अधिक हुई है। राज्य में इस साल 2 लाख 46 हजार हेक्टेयर में तिवड़ा बोनी लक्ष्य के विरूद्ध इसकी बोनी 2 लाख 54 हजार 920 हेक्टेयर में हुई है, जो कि लक्ष्य का 104 प्रतिशत है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक राज्य में 1 लाख 68 हजार 840 हेक्टेयर में गेहूं, 46 हजार 740 हेक्टेयर में मक्का, 6 हजार 280 हेक्टेयर में जौ-ज्वार तथा 53 हजार 20 हेक्टेयर में मोटे अनाज की बोनी पूरी कर ली गई। दलहनी फसलों की बुआई 7 लाख 8 हजार 380 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें चना की 3 लाख 44 हजार 410 हेक्टेयर में, मटर की 39 हजार 560 हेक्टेयर में, मसूर की 27 हजार 840 हेक्टेयर में, मूंग की 9 हजार 70 हेक्टेयर में, उड़द की 6 हजार 360 हेक्टेयर में, तिवड़ा की 2 लाख 54 हजार 920 हेक्टेयर में, कुल्थी की 20 हजार 500 हेक्टेयर में तथा अन्य दलहन फसलों की 5 हजार 720 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है।

इसी प्रकार राज्य में 3 जनवरी तक तिलहनी फसलों की बुआई 1 लाख 65 हजार 700 हेक्टेयर में हो चुकी है। जिसके अंतर्गत अलसी की बुआई 35 हजार 490, राई सरसों की 1 लाख 20हजार 490 हेक्टेयर में, तिल की 1050 हेक्टेयर में सूरजमुखी 840 हेक्टेयर, कुसुम की 3470, मुंगफली की 4060 तथा अन्य तिलहनी फसल की बोनी 300 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है। राज्य में गन्ने की बुआई 14 हजार 70 तथा साग-सब्जी की 1 लाख 15 हजार 140 हेक्टेयर में बुआई की जा चुकी है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

छत्तीसगढ़ की बानगी में विभिन्न लोक संस्कृति का संयोजन

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक), रायपुर अध्याय द्वारा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान सुपरिचित संस्कृतिकर्मी अरविन्द मिश्र द्वारा लिखित 'छत्तीसगढ़ की बानगी (आनी-बानी के छत्तीसगढ़)' पुस्तक पर आधारित था।

पुस्तक के विषय पर प्रारंभिक वक्तव्य सुप्रसिद्ध भाषाविद् डॉ. चित्तरंजन कर ने दिया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक सांस्कृतिक विविधता को तथा छत्तीसगढ़ के एक लघु भारत का चित्र प्रस्तुत करती है। पुस्तक में परंपरा का निर्वाह किया गया है। संस्कृति की बनावट चतुराई से नहीं विवेक से होती है। जब तक हम अपनी संस्कृति को नहीं जानेंगे तो आने वाली पीढ़ी को क्या सौपेंगे? लेखक ने संस्कृति को सुनियोजित ढंग से संयोजित किया है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ी के लिये संदर्भ ग्रंथ साबित होगी। कला सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि यह शिक्षाप्रद है। इससे सामाजिक सौहार्द बनता है।

प्रमुख वक्ता अरविन्द मिश्र ने कहा कि देश-विदेश में जो भी स्थान है उन सबकी एक बानगी होती है। हमारा देश विविधता का देश है। छत्तीसगढ़ में काफी सांस्कृतिक विविधता है। छत्तीसगढ़ में इसे आनी-बानी कहते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विभिन्न परंपरा जैसे रहन-सहन, खान-पान, आभूषण, नृत्य, गायन, लोक-संगीत, लोक-गीत आदि अनेक बातों का जिक्र किया। पुस्तक में शामिल लोक परंपरा जैसे रोजगार, पौनी-पसारी, गौठान, दईहान, खेरतादार, अधिया, हरेली, छेरछेरा पुन्नी, आंट, बरगद, तुरकीन, धान की बाली, छत्तीसगढ़ के पकवान, गोदना, रंग परंपरा - नाचा गम्मत, बदना, खेल-खेल में, लोक वाद्य, बाजा बाजार, रामकोठी, बाड़ी, मेला-मड़ई, शिल्पकला का विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ संस्कृतिकर्मी डॉ. कल्याण कुमार चक्रवर्ती ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि कला जीवंत है। हमें कला और जीवन के बीच की खाई को पाटना है। रायपुर शहर में एक समय 120 तालाब होते थे जो शहर को सिंचित करते थे। भारत में भाषा की वैविध्यता व समन्वय है। भाषायी लेन-देन को पहचानना जरूरी है। लोक-साहित्य में प्राचीन परंपरा को याद करना चाहिए। वस्तुपरक बनना यथार्थवाद की ओर जाना है। उत्साह, जोश और संप्रेषण को लिपिबद्ध करना जरूरी है। जिस आंचलिक भाषा को हम देखते हैं उसे यहां की आंचलिक भाषा से सम्मिलित करना चाहिए।

आभार प्रदर्शन इन्टैक के आजीवन सदस्य पथिक तारक ने किया। उन्होंने इस बात को जोड़ा कि अधिया से महत्वपूर्ण कड़ी सपहा है। उन्होंने सीला और बदना का उल्लेख भी किया। कार्यक्रम का संचालन इन्टैक के संयोजक राजेन्द्र चांडक ने किया।